मोनो रेल का कायाकल्प, मेट्रो, वेस्टर्न रेलवे से कनेक्ट जल्द

मुंबई, नवभारत न्यूज़ नेटवर्क. देश की पहली मोनो रेल के नाम से पहचानी जाने वाली मुंबई के चेंबूर से संत गाडगे महाराज चौक तक चलने वाली मोनोरेल को अब मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) फिर से पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है. जल्द ही मोनो रेल के बड़े में 10 नई स्वदेशी मोनो शामिल होगी. इस को लेकर एमएमआरडीए के कमिश्नर संजय मुखर्जी का मानना है कि मेट्रो और रेलवे स्टेशन की कनेक्टिविटी और 2 ट्रिप के बीच की दूरी कम होने से मोनो में प्रवास करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा. सबसे पहला रैक दिसंबर 2023 में आएगा और बचे हुए 2024 में. इन सभी 10 रैक की लागत 589. 95 करोड़ है. इसी के साथ उपनगर रेलवे और मेट्रो स्टेशन के साथ इसे जोड़ने की योजना भी बनाई जा रही है. टेंडर निकला गया है. टेंडर के प्रस्ताव में महालक्ष्मी रेलवे स्टेशन को मेट्रो 3 के महालक्मी मेट्रो स्टेशन को जोड़ने के लिए सात रास्ता जंक्शन के वहां से संत गाडगे महराज मोनो रेल स्टेशन को जोड़ने के लिए कई प्रक्रिया शुरू है. इसके अलावा मेट्रो 2 बी और मेटो 4 को जोड़ने का भी प्रस्ताव शामिल है. 10 नई स्वदेशी मोनो रेल के आने से नागरिकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए एमएमआरडीए सभी प्रोजेक्ट्स में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है. मेक इन इंडिया पहल के तहत हैदराबाद में स्वदेशी रूप से मोनोरेल का निर्माण किया जा रहा है.

यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए MMRDA का प्रयास

10 नई स्वदेशी रैक होगी बेड़े में शामिल

- मोनो का पहला आरएसटी (प्रोटोटाइप) 2023 के अंत तक उपलब्ध होने की उम्मीद है. जिसके बाद 9 ट्रैन बड़े में शामिल हो जाएंगी.
- फिलहाल 8 मोनो मौजूद है जिसमे से 7 मोनो कार्यरत है. इस नए मोनो ट्रेन की यात्री क्षमता 252 है. 10 नई मोनो के जुड़ने से 2 ट्रिप के बीच का अंतराल घटकर 5 मिनट हो जाएगा.
- बता दें कि एमएमआरडीए ने मुंबई महानगर क्षेत्र में वर्ल्ड क्लास परिवहन विकसित करने के लिए 2007-2008 में मोनोरेल प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी.
- लगभग 20 किमी लंबी चेंबूर से संत गाडगे महाराज चौक तक चलने वाली मोनो रेल का निर्माण 2 चरणों में किया गया था.
- पहला था, चेंबूर से वडाला और दूसरा था वडाला से संत गाडगे महाराज चौक. प्रोजेक्ट की लागत करीब 3 हजार करोड़ थी. फरवरी 2014 में चेंबूर से वडाला तक का 8.9 किमी का पहला चरण शुरू हुआ था.